दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्ष :-04
अंक:-314
मुरादाबाद
07 March 2025
(Friday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अपर्णा यादव बोलीं, सीएम योगी के रहते आतंकी अयोध्या को छू भी नहीं सकते... हमें इसमें कोई संशय नहीं

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि सीएम योगी के रहते आतंकी अयोध्या को छू भी नहीं सकते।

आतंकी उनसे डरते हैं। राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि योगी का नाम सुनते ही आतंकी डर जाते हैं इसलिए आतंकवादी अयोध्या नहीं पहुंच सकते।

वहीं, सपा विधायक अबू आजमी के औरंगजेब की तारीफ करने पर अपर्णा ने कहा कि औरंगजेब अबू आजमी के खुदा होंगे लेकिन भारत के आम

मुसलमानों के औरंगजेब खुदा नहीं हो सकते। दूसरी तरफ महाकुंभ की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ की तारीफ यूनेस्को भी की है। कामाख्या धाम महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर पहुंची अपर्णा ने राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश पर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम से लोग डरते हैं और राम मंदिर को आतंकी कभी छू भी नहीं सकता। जितने भी इस तरह के अराजक तत्व हैं, जितने गुंडे बदमाश हैं, आतंकवादी हैं वह सभी योगी जी के नाम से डर जाते हैं।

हमें किसी प्रकार का संशय नहीं है। आतंकवादी अयोध्या नहीं पहुंच सकता। औरंगजेब की तारीफ करने पर अपर्णा ने अबू आजमी पर कहा कि औरंगजेब अबू आजमी के खुदा हो सकते हैं लेकिन मुसलमान भाइयों के नहीं। महाकुंभ की तारीफ में अपर्णा ने कहा कि महाकुंभ का बहुत ही सफल समापन हुआ है। कितने महाकुंभ हुए लेकिन जिस तरह से यह महाकुंभ हुआ है ऐसा कभी नहीं हुआ होगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे सनातन का बड़ा पर्व माना है। यूनेस्को ने भी कहा कि ये मानवता का महाकुंभ है। यह सबसे बड़ा महाकुंभ है। पीएम मोदी और सीएम योगी की सोच की वजह से आज हम सभी लोगों ने त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाई है। दोनों लोगों के सामर्थ्य को प्रणाम करती हूं कि जिनकी वजह से सनातन धर्म का इतना विस्तार हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण बोले, जिस तरह लोग मंदिर आ रहे हैं, शिव का मिजाज बदला तो जानते हैं क्या होगा...

आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने 38 मिनट में काशी के आनंद और दुख का मर्म बताया। कहा कि जो दुनिया भर में विषाद का विषय है, वो काशी में प्रसाद का विषय बन जाता है। लेकिन, आप प्रयास करें कि काशी कहीं अपने आनंद भाव को खो न दे। बीएचयू पहुंचे अयोध्या स्थित हनुमत निवास के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण 38 मिनट के अपने व्याख्यान में काशी के आनंद और दुख दोनों का मर्म समझा गए। उन्होंने कहा कि जो दुनिया भर में विषाद का विषय है, वो काशी में प्रसाद का विषय बन जाता है। लेकिन, आप प्रयास करें कि काशी कहीं अपने आनंद भाव को खो न दे। जबकि काशी ने हजारों पीढ़ियों में अपने-आप को नहीं खोया।कला संकाय में काशी- संस्कृति, परंपरा एवं परिवर्तन विषय पर शुरू हुई 15 दिवसीय कार्यशाला में धर्मस्थलों पर जुटने वाली भारी भीड़ पर मिथिलेश नंदिनी ने तंज कसा। कहा कि यदि सबको ही पर्यटन के लिए केदारनाथ भेजा जाएगा तो फिर एकांतवास में पूजा पाठ कैसे होगी। जिस तरह लोग मंदिरों में पहुंचने लगे हैं, यदि शंकर जी का जरा भी मिजाज बदल गया तो आप जानते हैं क्या होगा...। सभागार में बैठे विद्वान और छात्र-छात्रा यह सुन ठिठक गए। उन्होंने पूछ लिया महादेव हैं या नहीं।इस पर आचार्य मिथिलेश नंदिनी ने कहा कि भगवान शिव अभी तो हैं, लेकिन जिस दिन महादेव काशी छोड़कर चले जाएंगे, पूछने वाला नहीं होगा

मिल्कीपुर से विधायक चंद्रभानु ने सीएम योगी से की मुलाकात, विकास कार्यों में तेजी लाने का मिला निर्देश

मिल्कीपुर से विधायक चंद्रभानु पासवान गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। यहां उन्होंने सीएम योगी से मुलाकात। मुख्यमंत्री से विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सीएम ने विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। यूपी में अयोध्या की मिल्कीपुर सीट से विधायक चंद्रभानु पासवान ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने सीएम योगी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने मिल्कीपुर

विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विकास कार्यों की प्रगति भी पूछी। विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर से प्राप्त सुझावों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों में तेजी लाने और सुधार के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किया।

यूपी में आंतकी गिरफ्तार: महाकुंभ में तबाही की थी योजना, पूछताछ में खौफनाक खुलासा; प्लान सुनकर हिल गई एसटीएफ

यूपी एसटीएफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक आंतकी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि महाकुंभ में तबाही की योजना थी। इसके पास जो हथियार बरामद हुए हैं, उसे देखकर टीम के होश उड़ गए। यूपी एसटीएफ ने गुरुवार को बब्बर खालसा इंटरनेशनल (खालिस्तानी आतंकी संगठन) एवं आईएसआई के माड्यूल के सक्रिय आतंकी को गिरफ्तार किया है। इसे कौशांबी जिले से पकड़ा गया है। इसकी पहचान लजर मसीह पुत्र कुलविंदर के रूप में हुई है। इसके कब्जे से खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं। पकड़ा गया आतंकवादी महाकुंभ में हमला करने की योजना बनाकर यहां पहुंचा था।केंद्रीय एजेंसियों से प्राप्त इनपुट पर काम करते हुए यूपी एसटीएफ को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक लाल प्रताप सिंह की टीम ने पंजाब का भगोड़ा एवं बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से

जुड़े खालिस्तानी आतंकी लजर को गिरफ्तार कर लिया है। यह कुरतियां, पोस्ट मकीवल, थाना रामदास, अमृतसर, पंजाब का रहने वाला है। फर्जी पासपोर्ट बनवाने की फिराक में था इसके कब्जे से तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड, दो जिलेटिन रॉड, दो सक्रिय डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्टल, 13 स×क्रविदेशी कारतूस जिंदा, एक मोबाइल (बिना सिम कार्ड) और एक फर्जी पते का आधार कार्ड बरामद हुआ है। बताया गया कि इसने फर्जी अभिलेखों के आधार पर गाजियाबाद से आधार कार्ड बनवाया था। उसी के माध्यम से फर्जी पासपोर्ट बनवाने की फिराक में था। पूछताछ में पता चला कि आतंकी लजर पाकिस्तान में बैठे तीन आईएसआई एजेंटों के संपर्क में है। वह आर्म्स हेरोइन की तस्करी के मामले में जेल गया था। जेल के अंदर गैंगवार में इसे चोट लग गई थी। इलाज के लिए गुरू नानकदेव हास्पिटल, अमृतसर में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में पुलिस को चकमा देकर 24 सितंबर 2024 को फरार हो गया था। मारे गए थे तीन आंतकी- यह पता चला कि 23 दिसंबर 2024 को यूपी की पीलीभीत और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन खालिस्तानी आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में असलहों की बरामदगी हुई थी। उनके द्वारा पंजाब में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया गया था। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दी थी धमकी-इस घटना से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू खिसिया गया था। उसने महाकुंभ प्रयागराज में आतंकी हमला करने की धमकी दी थी। उसी योजना के तहत लजर यहां पहुंचा था। इसे एसटीएफ टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

मुंबई की भाषा मराठी है : RSS नेता के बयान पर भड़के आदित्य, CM फडणवीस ने भी किया समर्थन, अब देनी पड़ी सफाई

संघ के नेता भैयाजी जोशी ने अपने एक बयान में कहा था कि जो लोग मुंबई आते हैं, उन्हें मराठी सीखने की जरूरत नहीं है।

भैयाजी जोशी के इस बयान पर शिवसेना यूबीटी ने तीखा हमला बोला है। तमिलनाडु में भाषा को लेकर हंगामा जारी है और अब महाराष्ट्र में भी भाषा को लेकर विवाद हो गया है। दरअसल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेता भैयाजी जोशी के एक बयान से महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। हाल ही में संघ के नेता भैयाजी जोशी ने अपने एक बयान में कहा था कि जो लोग मुंबई आते हैं, उन्हें मराठी सीखने की जरूरत नहीं है। भैयाजी जोशी के इस बयान पर शिवसेना यूबीटी ने तीखा हमला बोला है। हालांकि अब आरएसएस नेता ने अपने बयान पर सफाई दी है। शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने भैयाजी जोशी के बयान पर कहा कि %दूसरी जगहों से आए लोग हमारे राज्य में आते हैं और यहां बस भी जाते हैं, लेकिन यहां की भाषा मराठी है, जैसे तमिलनाडु की भाषा तमिल है और कर्नाटक की भाषा कन्नड़, उसी तरह मुंबई की भाषा मराठी है। भाजपा की विचारधारा महाराष्ट्र का अपमान करना है।% उन्होंने कहा कि %कल सुरेश भैया जी ने कहा कि घाटकोपर की भाषा गुजराती हो सकती है, लेकिन ये बिल्कुल संभव नहीं है। मुंबई की भाषा मराठी है। इस सरकार ने मुंबई में मराठी भाषा भवन का निर्माण भी रोक दिया क्योंकि ये लोग महाराष्ट्र और मराठी भाषा का अपमान करना चाहते हैं।%मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी जोर देकर कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा मराठी है और जो भी यहां रहता है, उसे मराठी भाषा सीखनी

चाहिए। दरअसल विधानसभा में शिवसेना यूबीटी के विधायक भास्कर जाधव ने सवाल किया था कि सरकार आरएसएस नेता सुरेश भैया जी जोशी के बयान पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे कि मुंबई आने वाले लोगों को मराठी सीखने की जरूरत नहीं है। इस पर सीएम फडणवीस ने कहा कि %मैंने भैयाजी जोशी का बयान नहीं सुना है, लेकिन मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा मराठी ही है। यहां सभी को मराठी भाषा सीखनी चाहिए।% सीएम ने कहा कि हमारी सरकार अन्य भाषाओं का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी अपनी भाषा से प्यार करता है तो उसे दूसरी भाषा को भी सम्मान देना चाहिए।% बयान पर सफाई - स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मराठी मुंबई की भाषा है और बाहर से आने वाले और अन्य भाषाएं बोलने वालों को भी इसे समझना चाहिए। जोशी ने कहा, मराठी मेरी मातृ भाषा है और मुझे इस पर गर्व है। जोशी का यह बयान बुधवार को मुंबई के घाटकोपर क्षेत्र में एक कार्यक्रम में की गई टिप्पणी के बाद आया है जिसकी विपक्षी शिवसेना (उबाठा) और कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की थी। जोशी ने कहा, मराठी महाराष्ट्र की भाषा है और मुंबई की भी। इसमें कोई दो राय नहीं है। मुंबई में कई भाषाएं बोलने वाले लोग मिलजुलकर रहते हैं। उन्होंने कहा, यह उम्मीद की जाती है कि बाहर से आने वाले और अन्य भाषाएं बोलने वाले लोग मराठी भी समझें। जोशी ने साथ ही कहा कि घाटकोपर कार्यक्रम में उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से समझा गया।

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

तेजस्वी सूर्या ने की शादी: कन्नड़ गायिका के साथ लिए सात फेरे; कई हस्तियों ने की शिरकत; जानें कौन हैं शिवश्री

बंगलूरू दक्षिण से सांसद और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या गुरुवार को कन्नड़ गायिका शिवश्री स्कंदप्रसाद के साथ दांपत्य सूत्र में बंध गए। सूर्या और स्कंदप्रसाद का विवाह समारोह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक रूप से संपन्न हुआ।बंगलूरू दक्षिण से सांसद और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या गुरुवार को कन्नड़ गायिका शिवश्री स्कंदप्रसाद के साथ दांपत्य सूत्र में बंध गए। सूर्या और स्कंदप्रसाद का विवाह समारोह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक रूप से संपन्न हुआ।समारोह में स्कंदप्रसाद

पीले रंग की कांचीपुरम सिल्क साड़ी और सोने के आभूषणों में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। जबकि सांसद सूर्या ने सफेद और सुनहरे रंग की पोशाक पहनी थी। समारोह में एक अन्य रस्म के दौरान दुल्हन स्कंदप्रसाद लाल-महरून रंग साड़ी में दिखीं, जबकि भाजपा सांसद सफेद पोशाक में खूब जचे।विवाह समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना और अर्जुन राम मेघवाल सहित भाजपा के कई शीर्ष नेता, भाजपा सांसद और विधायक शामिल हुए और नवयुगल को आशीष प्रदान किया।कौन हैं शिवश्री स्कंदप्रसाद- शिवश्री स्कंदप्रसाद भरतनाट्यम नृत्यांगना हैं। उन्होंने चेन्नई संस्कृत कॉलेज से मास्टर डिग्री प्राप्त की। वह बायोइंजीनियरिंग में स्नातक हैं। स्कंदप्रसाद ने मद्रास विश्वविद्यालय से भरतनाट्यम की डिग्री हासिल की है। उनके लाखों फॉलोअर हैं। वह फिल्म निर्माता मणिरत्नम की फिल्म फ्रैंचाइज़ पोन्नियिन सेलवन में अपने गानों के लिए लोकप्रिय हैं। अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सुश्री स्कंदप्रसाद की प्रशंसा की थी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि शिवश्री स्कंदप्रसाद द्वारा कन्नड़ में यह प्रस्तुति प्रभु श्री राम के प्रति भक्ति की भावना को खूबसूरती से उजागर करती है। इस तरह के प्रयास हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में एक लंबा रास्ता तय करते हैं।

संपादकीय Editorial

Revdis are not 'bhikh'

Madhya Pradesh government minister Prahlad Patel has called the common people 'beggars'. The minister is upset that people start pushing their papers forward on seeing the leader, start making demands, start asking for jobs for their children. It seems as if the public is begging like beggars! Whatever the context may be or the minister's state of mind may not be right, but the real beggars are the leaders and ministers, who plead with the public for every single vote during elections. After all, who made Prahlad Patel an MLA and minister? If he will not listen to the common man and will not try to fulfill his demands, then why is he in power? Should the public perform his aarti? In democracy, the basic power lies with the public, whose voting rights elect MLAs and MPs. Later they get ministerial posts in the government. Prahlad Patel was also a minister in the Modi government at the Center. From there he was brought into state politics. It is possible that that frustration is still stored within him! In democracy, elected faces are called 'public servants'. Prime Minister Modi also considers himself the 'Pradhan Sevak' of the country. He never once called the public 'beggars' during his 11 years in power. Here, some leaders have started speaking foul language. An MLA estimates the average value of a voter to be Rs 2000 and considers a 'prostitute' to be better than that. Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar had said that you voted for me, but this does not mean that you have become my 'boss'. What kind of political culture is this? The trend of distributing freebies in politics is becoming widespread, in fact, it is a greed, a bribe, political parties cannot consider it 'bhikh'. If someone has called the bhikhs 'bhikhs', then the political group is responsible and guilty for it. It was they who started distributing bhikhs in view of their own selfish interests. Now this freebie is ruining the country's economy because money is needed to distribute freebies and the governments are facing acute shortage of capital. There is no state which has not taken loan to distribute freebies. Two examples are noteworthy. When Prime Minister Modi had started the 'Kisan Samman Nidhi' scheme, about 14 crore farmers were covered under it, but now this number has come down to about 8.5 crore farmers. These so-called freebies of Rs 6000 per annum are being distributed to them only. The Prime Minister himself is against the politics of freebies, but BJP governments are also taking loans to make people drink ghee. The latest case is of the Delhi semi-state government. March 8 is 'International Women's Day'. Chief Minister Rekha Gupta has assured the public that Rs 2500 will be deposited in the accounts of eligible women by that date. The government needs about Rs 21,000 crores only for distributing these freebies. Delhi's budget is about Rs 77,000 crore. Out of that, about Rs 64,000 crore is spent on salaries, allowances, pensions etc. The question is, from where will the semi-state government get the money to distribute freebies among women? In the government whose minister was considering the public as 'beggars', the promise of giving Rs 3000 under the 'Laadli Bahina' scheme is incomplete. The BJP-Mahayuti government of Maharashtra has had to delete the names of 5 lakh women under the 'Laadki Bahina' scheme because the government does not have the budget. In fact, such freebies have made the average man useless, lazy and idle. Anyway, a concrete decision should be taken on this subject.

Dealing with online filth is not easy, vulgar and obscene content will have to be banned

Every country may have made its own rules and regulations regarding obscene content, but online platforms have proved them meaningless. It is a blatant lie that online platforms are sensitive towards vulgarity and pornography. They may make such claims, but the truth is that their effort is to make more and more people watch such content. The case of a very vulgar comment made by another YouTuber Ranveer Allahabadia during the India's Got Latent program on comedian Samay Raina's YouTube channel was again heard in the Supreme Court. The Supreme Court allowed Ranveer Allahabadia to start his podcast, but it reprimanded Samay Raina a lot, because the judges were informed that Raina had taken a dig at the proceedings of the apex court during his Canada tour. Mumbai and Guwahati police are also investigating this matter. It is difficult to say what conclusion it will reach. It is difficult to say what the Supreme Court will do in this case, but for now it seems that it has adopted a tough attitude. It again asked the government to regulate the content of YouTube channels and other online platforms. How serious it is on this issue can be known from the fact that it asked the government to prepare a draft for it. If the government takes any initiative in this direction as per the Supreme Court's instructions, then there may be a hue and cry against it saying that it may affect the freedom of expression. Although the Supreme Court has said that the measures of regulation should not seem like censorship, but there are high chances that any initiative of the government in this direction will definitely raise questions that freedom of expression is being obstructed. Everyone knows that freedom of expression is not unlimited, but it is always difficult to decide when the limit is crossed. It is not easy to determine what is objectionable and what is not, because what is vulgar for one is humor for another. What is objectionable or insulting for someone is the truth for others. Similarly, what is vulgar and obscene for some is 'cool' for others. It is not hidden from anyone that many people are also opposing the action taken against Samay Raina, Ranveer Allahabadia and their colleagues. Their argument is that how can someone be put in jail for obscenity? Some are saying that the police and the court are wasting their time in this matter and after all Raina and Allahabadia did not invite people to watch their show. Some people are also asking whether problems like poverty and unemployment will be solved by sending Raina, Allahabadia etc. to jail. What they mean to say is that the police or the court should not get into this mess. Should they really not get into it? There is no direct answer to this either, but it is certain that many comedians, influencers etc. are spreading vulgarity and obscenity online, ignoring it will not solve any problem. This also does not mean that putting Raina, Allahabadia etc. in jail is the right solution to the problem. It is difficult to support those who want to ignore vulgar online content in the name of freedom of expression, because many so-called comedians and influencers are serving filth on online platforms. By doing this, they are not only making money but also getting publicity and fame. They are being invited as participants or guests in TV shows. Samay Raina appeared in Kaun Banega Crorepati some time back. Anyone can understand that he was invited so that the viewership of Kaun Banega Crorepati increases. Even though such people are called influencers, it is difficult to understand whether they influence people or are adversely affected? Platforms like YouTube, Instagram, Twitter (X) are full of vulgar, obscene content. Every country may have made its own rules and laws regarding obscene content, but online platforms have proved them meaningless. It is a blatant lie that online platforms are sensitive towards vulgarity and obscenity. They may claim so, but the truth is that their effort is to make more and more people watch such content. This is because these platforms have given them a free hand. These platforms shrug off the responsibility by saying that they are just a medium, that is, their work is like that of a postman. This is why these platforms are used by hateful and anarchic elements as well as terrorists. It would not be wrong to say that online platforms are unbridled and they do not care about any rules and laws. This is why they have become the biggest source of fake news. Now when it is being awaited what the government and the Supreme Court do in the matter of spreading vulgarity, then it will also have to be seen what the society does, because the kind of content that is watched more on online platforms is the same that is circulated more. Since vulgar content is being watched, that is why it is also being served.

Due to the desire to go to the West, the hope of getting proper opportunities and respect

With some exceptions, our intellectuals do not even have an understanding of policy-making and good governance. They rely on sloganeering. Then which country would want a crowd of such people? It is natural that the American administration also wants to keep only the deserving Indians and strictly expel the rest. We should be concerned about improving our own house. It is self-deprecating to criticize others. The sentiments of many people in our country are being hurt when Indians living or entering America illegally are being expelled from there. The manner in which people are being sent from there is hurtful. Meanwhile, the basic point is being neglected that why are people leaving India in large numbers? The common understanding is that people go for employment, but the youth from affluent families also want to go to America and Europe. Such people do not have any particular problem of livelihood here. In fact, among the Indians going to America or Europe, very few people go there with any appointment letter. Most of them go there for studies and then start some small job. Many times this is done by violating the rules there. For most Indians who go to Canada, course admission is just an excuse. They go there with the intention of staying there.

A form of the same process is seen here in the country too. In every village, countless parents, while educating their children, want them to go out and work in places like Delhi, Mumbai, Bangalore etc. Whereas Indians settled in Delhi-Bengaluru aspire for their children to go and live in Europe-America and make such plans. This entire process is like choosing for migration. This is a silent display of collective distrust against their society, their system. People want to leave their society and country by using their resources, intelligence and hard work and go to a place which seems more organized and provides opportunities. This point is worth considering. India is not a poor country, but it is suffering from mismanagement. Otherwise, the amount of wealth that upper middle class Indians have is not seen in many European countries, but our general political, administrative, educational systems are in a bad state, which discourages. These systems do not respect merit or wisdom.

Educational institutions are either a formality or a pure business. So, talents are left to God's mercy. In other fields too, there is a system of giving and taking almost every opportunity or position on some other basis. That is why people are migrating abroad, where there is hope of getting proper opportunity and respect. To call it people's greed is like insulting them. Independent India created such a system which has no imagination of its own. That is why it is indifferent to virtue, talent and merit. America created such a system which welcomes virtue, talent and merit from all over the world. Now showing all the anger on the way illegal Indians are sent from America is like giving relief to those Indians. In fact, our arrogance and uselessness are two sides of the same coin. With the same attitude with which we boast or criticize others, we shirk every responsibility by putting it on someone else. From security to education, medical care, daily administration and justice system, in every matter, party politics, blaming others and rhetoric are our main discussions. This has been going on in India for a long time. Blaming others and considering oneself automatically afflicted, right or superior. This is easy. One does not have to put in the effort of any concrete test for this.

In this process, there is such a triple illusion of hatred-condemnation-comfort that we ignore even the biggest truth like the elephant visible in front of us. Whatever we regularly claim in our discussions, our actual behavior shows the exact opposite of it. Our entire life, from leaders to intellectuals, students and managers, i.e. policy, industry, education, art, lifestyle, gestures, sports, entertainment etc. is mainly driven by foreign ideas, objects, language, style, models etc. Does this not clearly show that we also consider American-European things, ideas, solutions, books, films, music and sports etc. to be superior? For that, do you want to leave everything, your knowledge, philosophy, rules and regulations, language and culture, even the country forever and settle in America or Europe? You want to send your children there and settle there by investing all your intelligence, hard work and money. This is a practical point. Even a small child does better than the two things available to him.

Therefore, it is appropriate to make truth and behavior the criterion. Then it will be seen that most Indians are ready to adopt America and Europe, because we have not been able to make anything of ours comparable. The question is, if any Swadeshi discriminates, neglects, oppresses us, etc., then is that acceptable? Whereas if a foreigner behaves in the opposite way, will we not accept it? To this, millions of our people give priority to migration abroad as soon as they get the opportunity. This is the intense process of leaving the country and settling in Europe, America or Australia. What else is this except happily accepting their culture, their education, their rule? They even suffer for this. That is, not only is that culture and governance better, but many Indians are ready to undergo long penance to become its citizens, to live there even without citizenship. Without any invitation or pressure. To attribute this to mere greed is an insult to those Indians whom we first do not give proper opportunity or place, and then we do not want them to be treated as citizens. They make fun of the talent and hard work of the people. They are indifferent to facts and evidence. Our intellectuals, with few exceptions, do not even understand policy-making and good governance. They rely on sloganeering. Then which country would want a crowd of such people? It is natural that the American administration also wants to keep only the deserving Indians and strictly exclude the rest. We should be concerned about improving our own house. Criticizing others is self-abasement.

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक आयोजित

मुरादाबाद - मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक कमिश्नरी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में मण्डलीय एकीकृत कार्यालयों के निर्माण प्रगति के संबंध में चर्चा की गयी, जिस पर मण्डलायुक्त ने वीसी एमडीए को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमीनों का अच्छे से सर्वे करवाकर अग्रिम कार्यवाही की जाये। इसके साथ ही बैठक में वीसी एमडीए द्वारा विभिन्न विभागों से नक्शा पास करवाने संबंधी लम्बित आवेदनों के संबंध में मण्डलायुक्त के समक्ष प्रकरणों को रखा गया, जिस पर मण्डलायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को नक्शा पास करवाने संबंधी एक समयान्तर्गत व्यवस्था बनाकर पेडेंसियों को दूर करने के निर्देश दिए। बैठक में एक्सईएन सिंचाई विभाग द्वारा प्रतिभाग न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए

उन्होंने बैठक में उपस्थित एसडीओ सिंचाई को नक्शा संबंधी एनओसी उपलब्ध न करवा पाने और सिंचाई विभाग द्वारा किए जा रहे सर्वे संबंधी पूरी डिटेल सहित उच्च अधिकारियों के साथ अलग से

♦ अधिकारियों को नक्शा पास करने संबंधी एनओसी को समयबद्धता से निस्तारण करने के दिए निर्देश

♦ मण्डलायुक्त ने एकीकृत मण्डलीय कार्यालय की प्रगति संबंधी करी समीक्षा

प्रस्तुत होने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएफओ,मुरादाबाद को नक्शा संबंधी एनओसी पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में सोनकपुर योजना, कांशीराम योजना सहित अन्य मुरादाबाद विकास प्राधिकरण से संबंधित योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गयी, जिस पर मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता स्तर पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी मुरादाबाद श्री अनुज सिंह, उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण श्री शैलेश कुमार, नगर आयुक्त श्री दिव्यांशु पटेल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द, अपर जिलाधिकारी नगर सुश्री ज्योति सिंह, सचिव एमडीए श्रीमती अंजुलता, सिटी मजिस्टेऊट श्रीमती किंशुक श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी सदर डा0 राममोहन मीना, अपर नगर आयुक्त सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में हाट बाजारों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

मुरादाबाद -मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में हाट बाजार स्थानान्तरित करने संबंधित बैठक आयोजित हुई। बैठक में मण्डलायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रोडो पर बाजार न लगे, इसको अधिकारी सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने अपर मुख्य अधिकारी ,जिला पंचायत को निर्देशित किया कि बोर्ड में प्रस्ताव लाकर शुल्क संबंधी व्यवस्थाओं को बनाये, जिससे सरकारी जमीन पर लग रहे बाजारों में बुनियादी व्यवस्थाएं जैसे- पानी की व्यवस्था, कूडा उठान संबंधी व्यवस्था, टॉयलेट संबंधी व्यवस्था, विद्युत आदि व्यवस्थाओं को अच्छे से सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने उपस्थित नगर पालिका/नगर पंचायतों के चैयरमैनों और अधिशासी अधिकारियों को डोर टू डोर कूडा उठान संबंधी शुल्क को अधिरोपित करने संबंधी व्यवस्थाओं को बनाने के निदेश दिए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका/नगर पंचायतों को रेवेन्यु जनरेटिंग बॉडी के रुप में अच्छे से आगे लाये। नगर निगम/नगर पालिका/नगर पंचायतें आपसी समन्वय के

♦ रोड़ों पर बाजार न लगे, इसको अधिकारी करें सुनिश्चित

♦ नगर निकायें पीपीपी मॉडल को अपनाकर करें कार्य

♦ बाजारों में बुनियादी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें अधिकारी

♦ सभी नगर पालिका/नगर पंचायतें रेवेन्यु जेनरेशन पर दे ध्यान

साथ पीपीपी मॉडल पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीनों पर लगने वाले बाजारों में बुनियादी व्यवस्थाओं को अच्छे से सुनिश्चित करवाया जाये। इसके साथ ही उन्होंने नगर पंचायत अगवानपुर में भूमि अतिक्रमण के संबंध में उपजिलाधिकारी सदर को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपर मुख्य अधिकारी ,जिला पंचायत से कहा कि एमडीए जिस व्यवस्था के तहत नक्शे पास करता है उस व्यवस्था को अध्ययन कर बोर्ड में प्रस्तुत कर अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्षा डॉ शैफाली सिंह, जिलाधिकारी मुरादाबाद श्री अनुज सिंह, उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण श्री शैलेश कुमार, नगर आयुक्त श्री दिव्यांशु पटेल, अपर आयुक्त प्रशासन प्रथम श्री सर्वेश कुमार गुप्ता, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत सहित समस्त नगर पालिका/नगर पंचायतों के चैयरमैन और संबंधित अधिशासी अधिकारी गण उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के टैरिफ से टेंशन: मुरादाबाद के निर्यातकों को 1200 करोड़ के नुकसान की आशंका, 50 खरीदारों के स्टोर बंद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एल्युमिनियम और स्टील पर 25त्न टैरिफ लगाने की घोषणा से मुरादाबाद के हस्तशिल्प निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। कारोबारियों को 1200 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान की आशंका है। रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले ही प्रभावित निर्यातकों का कहना है कि टैरिफ बढ़ने से विदेशी खरीदार कम ऑर्डर देंगे और निर्यात घट सकता है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एल्युमिनियम और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा से मुरादाबाद के हस्तशिल्प निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। टैरिफ लगने से निर्यातकों को 1200 करोड़ रुपये से अधिक

का नुकसान होने की आशंका है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही प्रभावित चल रहे हस्तशिल्प उद्योग को इस घोषणा से गहरा झटका लगा है।मुरादाबाद के करीब 2400 निर्यातक हस्तशिल्प उत्पाद से जुड़े हैं। जिले से अमेरिका, जापान, इंग्लैंड, टर्की समेत अन्य देशों को हर साल 8000 से 9000 करोड़ रुपये के हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात होता है। इनमें सबसे ज्यादा 5500 करोड़ रुपये का निर्यात अमेरिका को होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल से भारत पर बराबर टैरिफ लगाने की घोषणा की है।निर्यातकों के अनुसार, इस घोषणा के तहत एल्युमिनियम और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लग जाएगा। इससे हस्तशिल्प निर्यातकों को 1200 करोड़ से अधिक का नुकसान होगा। निर्यातकों ने बताया कि यदि भारत से अमेरिका निर्यात होने वाले हस्तशिल्प उत्पाद पर टैरिफ लगता है तो विदेशी खरीदार कम ऑर्डर देंगे और निर्यात घट जाएगा। वहीं, कुछ निर्यातकों का कहना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध से निर्यात में पहले से ही कमी आई है। इसके साथ ही जहाजों के घूमकर जाने के कारण हस्तशिल्प उत्पाद खरीदारों के पास समय से नहीं पहुंच पाते हैं। इसके कारण भी हस्तशिल्प निर्यातकों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। निर्यातक विवेक अग्रवाल का कहना है कि खरीदार एक महीने से टैरिफ लगने का इंतजार कर रहे थे, जो भी ऑर्डर हुए हैं वह होल्ड पर हैं। ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के एलान से ऑर्डर कम से कम मिलने का अनुमान है। अमेरिका में 50 खरीदारों के स्टोर हुए बंद- मुरादाबाद सेज एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विकास अग्रवाल ने बताया कि पिछले पांच साल में मंदी आने के कारण मुरादाबाद से हस्तशिल्प उत्पाद का आयात करने वाले अमेरिका के 50 से अधिक स्टोर बंद हो चुके हैं। इससे निर्यातकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। निर्यातकों के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के एलान से हस्तशिल्प उत्पाद के 20 से 30 प्रतिशत खरीदारों की घटने की उम्मीद है। खरीदारों की ओर से ऑर्डर पर 10 प्रतिशत की छूट मांगी जा रही है। बिना छूट के विदेशी खरीदार ऑर्डर नहीं दे रहे हैं। पहले से ही ऑर्डर कम मिल रहे हैं। अब टैरिफ के बढ़ने पर ऑर्डर कम मिलने की संभावना है। - सतपाल, सचिव, द हैंडीक्रॉफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन मुरादाबाद के हस्तशिल्प उद्योग का करीब 60 फीसदी निर्यात अमेरिका को होता है। टैरिफ को लेकर अभी असमंजस की स्थिति है। ऐसे हालात में विदेशी ग्राहकों ने ऑर्डर रोक दिए गए हैं। उनकी ओर से नए ऑर्डर नहीं आ रहे हैं। इससे कारोबार प्रभावित होगा। - अवधेश अग्रवाल, महासचिव, एमएचईए ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के एलान से खरीदार लगातार निर्यातकों पर दबाव डाल रहे हैं। खरीदार हस्तशिल्प उत्पाद पर 10 प्रतिशत की छूट मांग रहे हैं। इससे काफी परेशानी हो रही है। टैरिफ बढ़ने से इस साल निर्यात कम होने का अनुमान है। - जेपी सिंह, निर्यातक खरीदारों ने ऑर्डर होल्ड कर दिया है। साथ ही पीतल में स्टील और एल्युमिनियम का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है। ऐसी स्थिति में निर्यात प्रभावित होगा। बढ़े टैरिफ का लोड निर्यातकों पर ही पड़ेगा। निर्यातकों को ही समझौता करना पड़ेगा। - नावेद खान, निर्यातक, बीएंडए इंटरनेशनल फर्म

ब्वॉयफ्रेंड ने नहीं उठाया फोन तो प्रेमिका ने दी जान...प्रेमी ने भी लगाई फांसी

■ 13 मार्च को होनी थी दोनों की शादी, परिवार में मचा कोहराम

मुरादाबाद -मझोला थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर दो बजे कॉल रिसीव न करने पर प्रेमी से विवाद के बाद युवती ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके करीब तीन घंटे बाद प्रेमी ने भी अपने घर पहुंचकर आत्महत्या कर ली। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर परिजनों ने पूछताछ की है। थाना मझोला क्षेत्र की एकता कॉलोनी निवासी आकाश शर्मा (23) का लाइनपार प्रकाश नगर में रहने वाली नन्नू माइकल (18) के साथ प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि आकाश के परिवार में शादी समारोह होने के कारण वह प्रेमिका का फोन नहीं उठा रहा था। बुधवार दोपहर उसने कॉल रिसीव की तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई । इसी दौरान युवती अपने घर में पहुंची और उसने दुपट्टे का फंदा बनाकर पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। परिवार के लोगों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस युवती को लेकर जिला अस्पताल आई। यहां चिकित्सकों उसे मृत घोषित कर दिया। इसी दौरान वहां प्रेमी आकाश भी पहुंच गया। युवती के परिजनों से वहां उसकी नोकझोंक हुई। इसके बाद शाम करीब पांच बजे आकाश ने भी अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने देखा तो आकाश दुपट्टे के जरिए फंदे से लटका हुआ है। परिजन उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि युवक और युवती ने आत्महत्या की है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है।

नई दिल्ली से जयनगर के लिए आज से चलेगी होली स्पेशल ट्रेन

महाकुंभ में लगातार स्पेशल ट्रेनें चलाने वाला रेलवे प्रशासन अब होली पर ट्रेनों के सुचारु संचालन में जुटा है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनों का रेलवे चार और संचालन करने जा रहा है। नई दिल्ली से जयनगर के लिए होली स्पेशल छह मार्च से चलेगी। बाई वीकली ट्रेन के 17 मार्च तक चार ट्रिप होंगे। इसके अलावा जोगबनी, सीतामढ़ी के लिए भी स्पेशल ट्रेनें दौड़ेंगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि गुरुवार को नई दिल्ली से जयनगर के लिए विशेष ट्रेन हफ्ते में दो दिन चलेंगी। ट्रेन नंबर 04014 के नई दिल्ली से 6 मार्च के अलावा 10,13 व 17 मार्च को संचालित होगी। जबकि ट्रेन 04013 जयनगर से मंगलवार व शुक्रवार को 7, 11, 14 व 18 मार्च को चलेंगी। आनंद विहार-सीतामढ़ी के लिए (04016-15) ट्रेन भी हफ्ते में दो दिन चलेगी। आनंद विहार से मंगलवार, शुक्रवार और सीतामढ़ी से बुधवार व शनिवार को रवाना होगी। इस ट्रेन के भी चार ट्रिप होंगे। आनंद विहार से 7, 11, 14 व 18 और सीतामढ़ी से 8, 12, 15 व 19 मार्च को चलेगी। आनंद विहार से जोगबनी के लिए स्पेशल ट्रेन 04010 व 9 के दो ट्रिप होंगे। आनंद विहार से हरेक सोमवार को 10 व 17 मार्च व जोगबनी से बुधवार को 12 व 19 को ट्रेन चलेगी। आनंद विहार से जोगबनी के लिए एक और स्पेशल ट्रेन (04028-27) चलाने का शेड्यूल जारी किया गया है। इस ट्रेन के तीन फेरे होंगे। आनंद विहार से 6,13 व 20 और जोगबनी से 8,15 व 22 मार्च को हर शनिवार को रवाना होंगी। यह भी स्पेशल ट्रेनें मंडल में मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर व सीतापुर स्टेशन पर रुकेंगी।

नाम परिवर्तन सूचना

It is informed to all that earlier my name was KM Preeti Bansal, now my name has been changed to Preeti Agarwal and now I should be known and recognized by this name only.
"Preeti Agarwal w/o Nishant Kumar Address- 14. Civil Lines Moradabad Uttar Pradesh

अस्पताल संचालक से बाप-बेटी ने मांगी एक करोड़ की रंगदारी, पीड़ित ने रामपुर निवासी पिता-पुत्री के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

मुरादाबाद -कटघर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक अस्पताल संचालक से पिता-पुत्री ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। इनकार करने पर बलात्कार के केस में जेल भिजवाने की धमकी भी दी। पीड़ित अस्पताल संचालक की शिकायत पर कटघर थाना पुलिस ने पिता-पुत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव कमालपुर फतेहाबाद निवासी इकराम ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह उत्तरांचल यूनानी मेडिकल कॉलेज हरिद्वार से बीयूएमएस की पढ़ाई कर रहा था। उस समय उसके साथ रामपुर की रहने वाली सायमीन जहां भी पढ़ाई कर रही थी।

इस दौरान सायमीन से बातचीत होती रहती थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद इकराम ने कटघर के करूला में मेडविन नाम से अस्पताल खोल लिया। वर्तमान में अस्पताल अच्छा चल रहा है। इसी बीच सायमीन ने फोन पर पिता से बातचीत कराई। उन्होंने कहा कि दोस्त सायमीन की मदद कर दो। यह भी अपना कारोबार सेट कर लेगी। सायमीन के पिता को बताया कि अभी अस्पताल शुरू हुआ है। लिहाजा अभी पैसे नहीं हैं। इस बात से सायमीन के पिता नाराज हो गए। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान सायमीन के साथ फोटो के जरिए रामपुर में मुकदमा दर्ज करा दिया। तभी से लगातार पैसों की डिमांड बढ़ती जा रही है। वर्तमान में एक करोड़ रुपये की डिमांड की जा रही है। इनकार करने पर फर्जी रेप केस में जेल भिजवाने की धमकी दी जा रही है। थाना कटघर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि अस्पताल संचालक की शिकायत पर सायमीन और उसके पिता तसद्दुक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज मामले की जांच की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीता रसोई का विशाल कपड़ा वितरण कैंप गिहार बस्ती में मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- सीता रसोई के सेवादार श्री हर्ष अग्रवाल ने बताया कीआज सीता रसोई का एक विशाल कपड़ा वितरण कैंप टेलीफोन एक्सचेंज के सामने गिहार बत्ती में प्रात: 10ः00 बजे से लगाया गया जिसमें हजारों स्थानीय निवासियों ने अपनी अपनी पसंद के कपड़े प्राप्त किया स्थानीय निवासियों में 5 साल के बच्चे से लेकर 70 साल तक के पुरुष महिलाएं माताएं बहने पुरुष सभी लोग उपस्थित थे और सभी के चेहरे पर एक असीम मुस्कान थी और उन्हें सीता रसोई के सेवादारों का बड़ा धन्यवाद किया कि आपने उनकी बस्ती में स्वयं आकर कैंप लगाया

और सभी लोग अपनी पसंद के कपड़े प्राप्त करके काफी खुश रखे महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बच्चे महिलाएं सभी लोग अत्यंत प्रसन्न दिखे इस अवसर पर 100 साड़ियां भी सीता रसोई की तरफ से वृद्धाश्रम बदायूं रोड पर भेजी गई इस अवसर पर सीता रसोई के सेवादार रमेश चंद्र अग्रवाल एडवोकेट जी हर्ष अग्रवाल जी अमित गुप्ता जी नरेश भाटिया जी राजीव अग्रवाल जी एस अग्रवाल जी ए के आहूजा जी मनोज सेठी जी दीपक शर्मा जी एस के अग्रवाल जी घनश्याम गुप्ता जी अशोक गुप्ता जी सौरभ धींगरा जी अनूप जायसवाल जी राजीव अग्रवाल जी आदि अनेक सम्माननीय व्यक्ति उपस्थित रहे कैंप का उद्घाटन सीता रसोई की सम्मानित महिला आशा दीदी ब निर्मला गुप्ता ने किया ।।

बरेली जिले में आबकारी दुकानों की ई-लॉटरी प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग नोडल अधिकारी बरेली सौरभ बाबू के पर्यवेक्षण व जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य की उपस्थिति में आज वर्ष 2025-26 हेतु देशी मदिरा, कंपोजिट दुकानों, भाँग की दुकानों और मॉडल शॉप्स के आवंटन की प्रक्रिया ई लॉटरी के माध्यम से संजय कम्युनिटी हॉल में संपन्न हुई। जिला आबकारी अधिकारी हुकुम सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद बरेली में कुल 578 आबकारी दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी के माध्यम से प्रात: 10:00 बजे से 11:45 बजे के बीच सम्पन्न हुआ। जनपद में

396 देशी शराब, 160 कम्पोजिट, 16 मॉडल शॉप व 06 भॉग दुकानों के सापेक्ष कुल 7581 आवेदन प्राप्त हुए थे। ई-लॉटरी प्रक्रिया के सफल सम्पादन हेतु शासन द्वारा वरिष्ठ आईएएस प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग नोडल अधिकारी बरेली सौरभ बाबू को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, एसपी सिटी मानुष पारीक, उप आबकारी आयुक्त एसपी सिंह सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे ।।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

प्रशिक्षु उपाधीक्षक अजय कुमार के प्रशिक्षण पूर्ण होने पर एसएसपी ने लगाए स्टार

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने अपने पुलिस कार्यालय में पुलिस प्रशिक्षु उपाधीक्षक अजय कुमार के प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त स्टार लगाकर बधाई देते हुये नई जिम्मेदारियों को पूर्ण लगन, ईमानदारी व निष्ठा के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा,अपर पुलिस अधीक्षक यातायात अकमल खान, अपर पुलिस अधीक्षक अपराध मुकेश कुमार आदि अन्य अधिकारी पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

तेज रफ़्तार कारों में जोरदार भिड़ंत, दो महिलाओं सहित चार घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।उत्तर प्रदेश की जनपद शामली में नवनिर्मित बाईपास चौराहों पर हादसो का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहा अलसुबह तेज रफ्तार से आ रही दो कारो में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। जिसके बाद एक कार अनियंत्रित होकर फिल्मी स्टाइल में रेड लाइट पर चढ़कर पलट गई। हादसे के बाद मौके से गुजर रहे लोगों ने कार सवार घायल महिला पुरुषों को बामुश्किल कर से बाहर निकाला और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल प्रभाव से अस्पताल में भर्ती करते हुए क्षतिग्रस्त कारो को सड़क किनारे करवाया। वही हादसे में घायल हुए महिला पुरुषों का इलाज अस्पताल में जारी है। गुरुवार को

दिल्ली निवासी महिला तृप्ति जैन कार में सवार होकर अपने ड्राइवर गौरव के साथ दिल्ली से सहारनपुर के लिए निकली थी।वही दूसरी और हरियाणा के रोहतक निवासी नवीन भी कार में सवार होकर अपने मित्र व अपनी मां के साथ रोहतक से हरिद्वार के लिए निकला था। बताया जाता है कि जैसे ही उक्त दोनों कार शहर कोतवाली क्षेत्र के बलवा चौराहे पर पहुंची तो दोनों कारों की रफ्तार अत्यधिक तेज होने के कारण दोनों कारो के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शीयों की माने तो भिड़ंत इतनी जबरदस्ती की भिड़ंत होने के बाद एक कार तो फिल्मी स्टाइल में रेड लाइट पर चढ़ते हुए पलट गई। जहां हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और वहां से गुजर रहे लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायल महिलाओं व पुरुषों को कारों से बाहर निकाल और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल प्रभाव से सभी घायलों को शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया और घायलों के परिजनों को हादसे की जानकारी दी। अस्पताल में सभी घायलों का उपचार जारी है। वही चौराहे पर फिल्मी स्टाइल मे कार के पलटने का मामला दिनभर चर्चा का विषय बना रहा।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का गुरू सम्मान के साथ हुआ विश्राम, भंडारा खिलाया

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।सनातन धर्म की चारों ओर अलख जगाई जा रही है। कलियुग में हर कोई अपने पुण्य संवारने को लेकर हरि नाम,हरि की पावन कथा का श्रवण करने में लगा है। गांव नरही नौवा नंगला में विपिन कुमार के

आवास पर चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में कथा वाचक पंडित शशांक मिश्र ने संगीतमयी कथा का रसपान करवाया।वृहस्पतिवार को कथा विश्राम हो गया। विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। हजारों भक्तों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।सनातनी परम्परानुसार कथा वाचक पंडित शशांक मिश्र को अंग वस्त्र के साथ विभिन्न उपहारों से ग्रामीणों ने सम्मानित किया।इस दौरान सुरजीत कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, बिहारी लाल, बांके लाल, रामपाल,शुभम गंगवार, मुरारी लाल, वृंदावन लाला,आकाश कुमार, रघुनंदन,सौरभ गंगवार का विशेष सहयोग रहा।

कैंटर और पिकअप को टक्कर मारते हुए दुकानों में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, टला बड़ा हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।सहारनपुर की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक बृहस्पतिवार तड़के करीब 3 बजे थानाभवन स्थित चरथावल बस स्टैंड पर खड़ी पिकअप और दूध के कैंटर को टक्कर मारते हुए दुकानों में जा घुसा। तीनों दुकानों में लाखों का नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि उस समय दुकानें बंद थीं और आसपास भी कोई नहीं था, वरना और बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के दौरान ट्रक ने पहले दूध के कैंटर और केला गोदाम पर केला उतारने आई पिकअप को जोरदार टक्कर मारी। फिर बेकाबू होकर सड़क किनारे नूर ट्रेडर्स, चांद ऑटो स्पेयर पार्ट्स, शफीर की खाद की दुकान में जा घुसा। इस टक्कर से दुकानों के शटर, काउंटर व अन्य सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। गनीमत रही कि घटना के वक्त सड़क पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि होने से बच गई। व्यापारियों ने प्रशासन से इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद चालक ट्रक को छोड़कर भाग गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

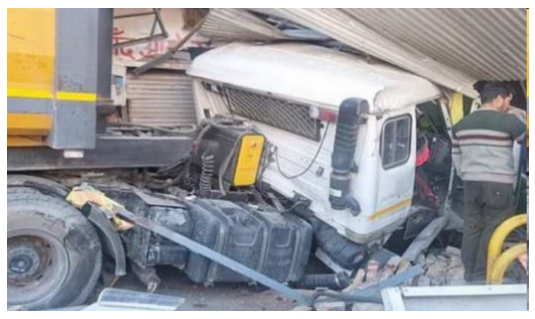

आंगनबाड़ी चयन प्रकिया में आपत्ति पर 8 तक दर्ज करायें शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी पी0के0 दास ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी भर्ती पोर्टल पर दिनांक 15 मार्च से 14 अप्रैल तक जनपद में आंगनबाड़ी कार्यकत्री पद हेतु आवेदन आंमत्रित किये गये थे। उक्त के कम में 18.02.2025 एवं दिनांक 28.02.2025 प्रथम तथा द्वितीय वरीयता वाले अभ्यर्थियों को समस्त मूल अभिलेखो के साथ सत्यापन के लिए कलेक्ट्रेट श्रावस्ती बुलाया गया था। उक्त चयन प्रकिया के सम्बन्ध में यदि किसी आवेदिका को कोई आपत्ति हो तो सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 08.03.2025 की सांय 05 बजे तक अपनी शिकायत/आपत्ति जिला कार्यकम अधिकारी विकास भवन द्वितीय तल भिनगा श्रावस्ती में उपस्थित होकर (08.03.2025 को भी कार्यालय खुला रहेगा) अपनी शिकायत/आपत्ति दर्ज करा सकते है। इसके पश्चात आंगनबाड़ी कार्यकत्री चयन प्रक्रिया के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती एन.एम.ओ.प.एस. अटेवा के आह्वान पर 25 फरवरी 2025 से 10 मार्च 2025 तक देशभर में सांसदों के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपने का अभियान चलाया जा रहा है। इस ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों की परानी पेंशन व्यवस्था (ओ.पी.एस.) बहाल करने की मांग की जा रही है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश सहित देशभर के करोड़ों शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों को पहले प्राप्त होने वाली सामाजिक सुरक्षा योजना पुरानी पेंशन व्यवस्था (ओ.पी.एस.) को समाप्त कर दिया गया था। इसके सासंद को ज्ञापन देते अटेवा कर्मचारी। स्थान पर नई पेंशन योजना (एन.पी.एस.) और एकीकृत पेशन व्यवस्था (यू.पी.एस.) लागू की गई, जो कर्मचारियों के हित में नहीं है। वर्तमान में एन.पी.एस. के तहत सेवानिवृत कर्मचारियों को मात्र 1200, 1800, 3500 या 4000 तक की अल्प पेंशन प्राप्त हो रही है। वहीं यूपीएस. में भी वेतन से पूरी सेवा अवधि में की गई कटौती को वापस नहीं देने की बात कही जा रही है। इस मांग को मजबूती से रखने के लिए महेश कुमार चौधरी, दिलीप कमार, बलराम सिंह, अनवर खान, प्रभास पटेल, काशीराम, अशोक शाक्य सहित कई अन्य पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे है। इस दौरान राजकमार उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से सांसदों के समक्ष परानी पेंशन बहाली की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से रखा गया। वहीं कर्मचारियों का कहना है कि यह लड़ाई केवल वेतन या पेशन दोनजिक भी आईक सुरक्षा की भी है। यदि सरकार द्वारा शोघ्र परानी पेंशन हा तेज किया जाएगा।

मुख्यालय एसएसबी सीमा क्षेत्र का निरीक्षण कर लिया भारत- नेपाल सीमा क्षेत्र की सुरक्षा का जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती वी. विक्रमण उप-महानिरीक्षक क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी लखीमपुर खीरी ने अमरेन्द्र कुमार वरुण कमान्डेंट

62वीं वाहिनी के साथ 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा के अंतर्गत भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वाहिनी मुख्यालय में लोक निर्माण विभाग एवं एसएसबी के अधिकारियों संग बैठक की इसके बाद उन्होंने सीमा चौकी सुईया व तुरुसमा कार्यक्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीमा की सुरक्षा स्थिति की विस्तृत समीक्षा की और वहां तैनात एसएसबी जवानों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और सीमा चौकी में रात्रि विश्राम किये । सीमा क्षेत्र का निरीक्षण और सीमा चौकी का भ्रमण के उपरांत विक्रमण क्षेत्रक मुख्यालय लखीमपुर खीरी के लिए रवाना हो गए । इस मौके पर निरूपेश कुमार, उप कमांडेंट के साथअन्य अधिकरी व जवान उपस्थि

महिला शिक्षक संघ ने नवागत बीईओ से मिलकर दी बधाई

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। वृहस्पतिवार को महिला शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने बिथरी ब्लॉक के नए खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) विजय कुमार से शिष्टाचार भेंट की तथा पुष्पगुच्छ प्रदान कर बिथरी ब्लॉक में उनका स्वागत किया। महिला

शिक्षक संघ की पदाधिकारियों ने खंड शिक्षा अधिकारी को महिला शिक्षक संघ के कार्य नीति के बारे में बताया तथा यह भी बताया की महिला शिक्षक संघ हमेशा शिक्षकों व महिला शिक्षकों के हितों में कार्य करता आया है।इस अवसर पर शिखा अग्रवाल,दीपाली सक्सेना, नंदिता सजल. कुसुम सिंह, मधु सिंघल, नुजहत परवीन आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

भौतिक विज्ञान में 29 छात्र -छात्राओं ने छोड़ी परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में चल रही बोर्ड परीक्षा में वृहस्पतिवार को द्वितीय पाली में इण्टरमीडिएट भौतिक विज्ञान की परीक्षा थी। जिसमें पंजीकृत 357 परीक्षार्थियों में से 328 ने

परीक्षा दी। वहीं शिक्षा शास्त्र में पंजीकृत 25 में से 21 ने परीक्षा दी। जबकि 4 ने छोड़ दी। मनोविज्ञान में पंजीकृत 11 में 11ने परीक्षा दी।इस दौरान मजिस्ट्रेट प्रीति केन्द्र व्यावस्थापक आशीष कुमार सिंह अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक वेदप्रकाश परीक्षा प्रमुख डाक्टर हरमीत सिंह, कुसुम गंगवार, रघुवीर सरन, लोकेश कुमार,अमरेश कुमार, डॉ सर्वेश कुमार, डॉ राजेश कुमार गंगवार, रावेन्द्र प्रताप, राजेश द्विवेदी, रामसिंह,एकता बाधवा,प्रवेश पाठक कक्ष निरीक्षक विमलेश कुमार,कम्प्यूटर आपरेटर अनुपम शर्मा बण्डल वाहक आकाश कुमार एस आई तुलसीदास कान्स्टेबल अनुराग सचिन सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

रिठौरा पहली बार पहुंचे महामंडलेश्वर का हुआ जोरदार स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।आहवान सरकार अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी शिवानंद महाराज वृहस्पतिवार को नगर में पहली बार महामंडलेश्वर बनने पर पहुंचे वहां उनका आढ़ती राकेश कुमार गुप्ता के प्रतिष्ठान में चेयरमैन प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, धनपाल सिंह, सुधीर कुमार गुप्ता, हैप्पी गुप्ता, सत्यवीर यादव, जितेन्द्र यादव,सहित भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने फूल मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया।इस दौरान श्री शिवानंद महाराज ने कहा अब समय आ गया है। भारतवर्ष को पुनः सोने की चिड़िया बनाने का हम सबको देश हित में आगे आना चाहिए।

आत्मरक्षा के लिए बेटियां सीख रही कराटे का हुनर

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों को सेल्फ डिफेंस के तरीके बताए

जा रहे हैं। रानी लक्ष्मी बाई कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी मिडिल, हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में बच्चियों को कराटे सिखाये जा रहे हैं। खुद को कैसे बचाना है और अपनी रक्षा कैसे करनी है, इसी के लिए बच्चियों को आत्मरक्षा के तरीके सिखाए जा रहे हैं। स्कूलों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में माध्यमिक शाला पतरापाली के छात्राओं को रानी लक्ष्मी बाई कार्यक्रम के तहत कराटे व ताइक्कांडों की ट्रेनिंग दी जा रही है। जानकारी के लिए बता दें कि बेटियों को आत्मरक्षा सिखाने के लिए शासन-प्रशासन की तरफ से तरह-तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। जिसमें तमाम तरह के हुनर व सेल्फ-डिफेन्स की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस अभियान का मकसद छेड़छाड़, अपहरण जैसी घटनाओं को रोकना है, स्कूलों में चल रही तीन महीने की ट्रेनिंग इस ट्रेनिंग के प्रशिक्षक बृन्द कुमार प्रजापति के द्वारा लड़कियों को कराटे व ताइक्कांडों के साथ साथ चाबी की चेन, दुपट्टा, चुनरी, मफलर, बैग, पेन, पेंसिल, नोटबुक जैसे सामानों का उपयोग सेल्फ डिफेंस के लिए कैसे किया जा सकता है, इसके बारे में भी बताया जा रहा है। ट्रेनिंग में प्रधानपाठक बी.आर. हितकर, महेंद्र पटेल, अनिता सिंह, कृष्णकुमार यादव, योगेश साहू, रघुनाथ जायसवाल एवं सरिता सिंह उपस्थित थे।

08 मार्च को 2025 का प्रथम नेशनल लोक अदालत किया जाएगा आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशानिर्देशन में श्री गोविन्द नारायण जांगडे जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर के मार्गदर्शन में 08 मार्च को जिला न्यायालय सूरजपुर, तालुका न्यायालय प्रतापपुर एवं कुटूम्ब न्यायालय सूरजपुर तथा जिले के समस्त राजस्व न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत में प्रकरणों की सुनाई किये जाने हेतु जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर एवं कुटूम्ब न्यायालय मिलाकर कुल 11 खण्डपीठों का गठन किया गया है, वहीं तालुका न्यायालय प्रतापपुर में 02 तथा राजस्व न्यायालयों में सुनवाई हेतु 20 कुल 32 खण्डपीठों का गठन किया गया है। इस नेशनल लोक अदालत में वर्चुअल एवं फिजिकल दोनों ही माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई की जावेगी। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, परिवारिक विवाद व अन्य राजीनामा योग्य राजस्व प्रकरणों तथा बैंक ऋण, विद्युत, जल के बकाया देयकों का प्री लिटिगेशन प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में सुनवाई हेतु रखे जाएंगे। राजस्व विभाग के मामले सुनवाई हेतु राजस्व न्यायालयों में ही रखे जाएंगे। लोक अदालत एक ऐसा मंच है, जहा न्यायालयों में लंबित वाद-विवाद /मुकदमें या प्री-लिटिगेशन चरण के मामलों का सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटारा किया जाता है। लोक अदालत विवादों के निपटारे का वैकल्पिक माध्यम है, जहां श्रम, धन, की बचत होती है, वहीं लोगों के मध्य आपसी विवाद हमेशा के लिए समाप्त होने के साथ आपसी बैर की भावना हमेशा के लिए समाप्त हो होती है। जिले वासियों से अपील है 2025 के प्रथम नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर अपने अपने मामले को आपसी समझौते के आधार पर हमेशा के लिए समाप्त करने हेतु वर्चुअल एवं फिजिकल दोनों ही माध्यम उपस्थित होवें। वर्चुअल मोड पर उपस्थित होने के लिए जिला न्यायालय सूरजपुर की वेबसाईटhttps://surajpur.dcourts.gov.inपर जाकर संबंधित कोर्ट के आगे दिए लिंक पर क्लिक कर वर्चुअल मोड पर जुड़ा जा सकता है। बैंक ऋण, बकाया बिजली बिल, जल के बकाया देयकों के प्री लिटिगेशन प्रकरणों में पक्षकारों को नियमानुसार छूट दिया जाएगा।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के निर्विरोध जिला चेयरमैन निर्वाचित हुए बाबूलाल अग्रवाल

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- वाइस चेयरमैन ओमकार पांडे, कोषाध्यक्ष श्रवण जैन, राज्य सदस्य सेवानिवृत आई ए एस अशोक अग्रवाल भी निर्विरोध चुने गए इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा सूरजपुर के चुनाव में चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, कोषाध्यक्ष, राज्य प्रबंध निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिसमें श्री बाबूलाल पांडेय, कोषाध्यक्ष श्रवण जैन, राज्य प्रबंध समिति आईएएस अशोक अग्रवाल निर्विरोध चुने गए। रेडक्रास सोसायटी के निर्वाचन की प्रक्रिया निर्वाचन एसडीएम शिवानी जायसवाल द्वारा पूरी कराई गई। चेयरमैन के लिए ओंकार पांडेय, कोषाध्यक्ष के अग्रवाल ने नामंकन दाखिल किया जिससे वे जहां पूर्व चेयरमैन रामकृष्ण ओझा का शाल श्रीफल गई तो वहीं निर्विरोध नवनिर्वाचित प्रबंध समिति मरावी, ठाकुर प्रसाद राजवाड़े, विजय राज गोयल, मुकेश गर्ग, संदीप अग्रवाल ,अजय राहुल अग्रवाल, पवन कुमार गर्ग, विकास अग्रवाल, अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल, मनोज सोनी, तिवारी, नौशाद अहमद, नितेश गुप्ता, नीरज अग्रवाल, जिला सदस्यों को विधिवत शपथ दिला कर उनका पदभार ग्रहण कराया गया। इस मौके पर कलेक्टर एस जयवर्धन, एसडीएम शिवनी जायसवाल, सहित पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, भीमसेन अग्रवाल, जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, ठाकुर प्रसाद राजवाडे आदि मंचासिन थे। कार्यक्रम का सफल संचालन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कपिल पैकरा ने किया। बैठक में रेडक्रास सोसायटी के सभी 30 सदस्य की मौजूदगी में यह चुनाव संपन्न कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य संस्कार अग्रवाल, रंजन सोनी व लक्ष्नधारी सिंह की अहम भूमिका रही।

सदस्य जिला प्रतिनिधि के चारों पद पर अग्रवाल चेयरमैन, वाइस चेयरमैन ओंकार सदस्य जिला प्रतिनिधि के रूप में सेवानिवृत बुधवार को जिला अस्पताल के सभाकक्ष में अधिकारी रिटर्निंग ऑफिसर एवं सूरजपुर चेयरमैन के लिये बाबूलाल अग्रवाल, वाइस लिए श्रवण जैन राज्य प्रतिनिधि के लिए अशोक निर्विरोध निर्वाचित किये गए। निर्वाचन के बाद से स्वागत व स्मृति चिन्ह प्रदान कर विदाई दी के जिला सदस्य प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह अग्रवाल, उपेंद्र दुबे, बलराम शर्मा, प्रवेश अग्रवाल, राजीव कुमार सिंह, लोकेश पैकरा, ललित कुमार गोयल, संत सिंह, शैलेश कुमार अंशुल गोयल, चंदन कुमार सिंह, आदर्श कुमार गौरव अग्रवाल सहित सभी निर्विरोध निर्वाचित

ओडगी में जनपद अध्यक्ष चुनाव के दौरान बवाल: भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प, मंत्री के पति पर हमला

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- ओडगी ,जनपद पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के दौरान ओडगी में भारी हंगामा देखने को मिला। भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। हालात इस कदर बिगड़े कि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पति ठाकुर राजवाड़े भी हाथा प्रक्रिया चल रही थी, तभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रभावित कर रहे हैं। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में लक्ष्मी राजवाड़े के पति पर हमला हुआ। कैसे भड़का के लोग चुनाव को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश भाजपा ने इस आरोप को खारिज करते हुए उल्टा कांग्रेस कहना है कि जब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व तब कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला बोल प्रभावित कर रहे हैं। इसके बाद माहौल गर्मा गया और पर हमला, आरोप कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर इस पूरे रही। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं खारिज करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक बल तैनात कर दिया गया। सूरजपुर पुलिस अधीक्षक जारी है। घटना के वीडियो फुटेज की जांच की जा रही हर चुनाव में ऐसे हालात? त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में के चुनाव होते हैं, तो किसी न किसी जिले से इस तरह है कि स्थानीय चुनाव भी अब राष्ट्रीय राजनीति की जांच शुरू कर दी है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पति पर से चल रही है, लेकिन इस घटना ने प्रशासन पर भी के बीच राजनीतिक लड़ाई और तेज होगी? क्या चुनावी हिंसा का यह सिलसिला थमेगा? इन सवालों का जवाब तो वक्त ही देगा, लेकिन इतना तय है कि सूरजपुर की राजनीति में इस घटना की गूंज लंबे समय तक सुनाई देगी?

बाही चपेट में आ गए। सूत्रों के मुताबिक, जनपद पंचायत ओडगी में वोटिंग आरोप लगाया कि भाजपा के कुछ लोग अंदर बैठकर चुनाव प्रक्रिया को बहस शुरू हुई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान मंत्री विवाद? चुनावी घमासान के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि भाजपा कर रहे थे। उन्होंने प्रशासन पर भी पक्षपात करने का आरोप लगाया। वहीं, कार्यकर्ताओं पर चुनाव में बाधा डालने का आरोप लगाया। स्थानीय सूत्रों का पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल जनपद सीईओ के पास बैठे थे, दिया। उनका कहना था कि भाजपा नेता अंदर बैठकर वोटिंग प्रक्रिया को देखते ही देखते दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। मंत्री के पति बवाल के बीच सबसे बड़ी खबर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पति पर हुए हमले की ने योजनाबद्ध तरीके से उन पर हमला किया। हालाँकि, कांग्रेस ने इस दावे को स्टंट है। स्थानीय प्रशासन ने क्या कहा? हंगामे के बाद मौके पर भारी पुलिस ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है और वोटिंग प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस बनाम भाजपा: क्यों इस तरह की घटनाएं कोई नई नहीं हैं। हर बार जब जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की हिंसा की खबरें आती हैं। सूरजपुर में जो कुछ हुआ, वह इस बात का संकेत तरह कटु और हिंसक होते जा रहे हैं। अब क्या होगा?- पुलिस ने मामले की हमले को लेकर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। चुनावी प्रक्रिया अब शांतिपूर्ण तरीके सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या इस घटना के बाद सूरजपुर में भाजपा और कांग्रेस

संक्षिप्त समाचार

राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय एक दिवसीय शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) आज राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय कोंच के द्वारा गांधी नगर सागर चौकी के पास एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में डा जितेंद्र वर्मा ने आए हुऐ मरीजों को देखा और रोग के निवारण की दवा आदि लिखी लेकिन इस शिविर में आए हुऐ मरीजों को दवा आदि का अभाव रहा कई मरीजों को दवा आदि नहीं मिल पाई जो उपलब्ध रही वो दवा दी गई इस दौरान फार्मासिस्ट अवधेश कुमार दीक्षित स्टाफ नर्स वंदना कुशवाहा कर्मचारी रमेश चंद्र आदि मौजूद रहे

हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट कक्षा 12वीं की परीक्षा सफलतापूर्वक हुई संचालित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 कक्षा 12वीं, विषय इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान के तत्व एवं गणित, ड्राइंग एंड पेंटिंग, आहार एवं पोषण (फूड एंड न्यूट्रिशन) सूरजपुर जिले के निर्धारित 73 परीक्षा केंद्रों में कुल परीक्षार्थी दर्ज संख्या - 3341, उपस्थित 3268, अनुपस्थित 73 समस्त परीक्षा केंद्रों में परीक्षा सफलतापूर्वक संचालित हुई। श्रीमती भारती वर्मा जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा निम्नांकित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। परीक्षा केंद्र शा.उ.मा.वि.बालक सलका अघिना भैयाथान में कुल दर्ज परीक्षार्थी की संख्या- 08, शा.उ.मा.वि.बालक भैयाथान में दर्ज - 21, सेजेस भैयाथान में दर्ज 12, शा.उ.मा.वि. दवना कुल दर्ज - 05 है। परीक्षा केंद्रों में शत प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहे। सभी केंद्रों में परीक्षा सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण संचालित होना पाया गया एवं कोई नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया।

जिला न्यायालय सूरजपुर में डीप्टी चीफ एवं असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कौंसिलों का साक्षात्कार 11 मार्च को

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सूरजपुर कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर द्वारा कार्यालय लीगल एड डिफेंस कौंसिल कार्यालय हेतु 01. डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल एवं 02 असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कौंसिल की नियुक्ति हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक 06 / जि.वि.से.प्रा / 2025 एवं क्रमांक 08 / जि.वि.से.प्रा/2025 दिनांक 02.01.2025 के माध्यम से जारी दिनांक से 17.01.2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। उक्त पद हेतु प्राप्त आवेदनों का स्कूटनी कार्य पूर्ण कर लिया गया है, पात्र आवेदकों का दिनांक 11.03.2025 को प्रात: 10:00 से जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर के वीडियो कान्फ्रेसिंक कक्ष में साक्षात्कार लिया जाना निर्धारित है।

07 मार्च तक आपूर्तिकर्ता शेखूपुर चीनी मिल को उपलब्ध कराएं गन्ना

क्यूँ न लिखूँ सच

आज दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड शेखूपुर-बदायूँ के प्रधान प्रबन्धक गुलशन कुमार द्वारा अवगत कराया है कि मिल समिति से सम्बन्धित गन्ना आपूर्तिकर्ताओं कृषकों के सट्टे के अनुसार इस मिल समिति द्वारा समस्त पर्चियाँ निर्गत कर दी गई हैं फिर भी गन्ने के अभाव में मिल रूक-रूक कर चल रही है। उन्होंने बताया कि ऐसी स्थिति में सम्बन्धित गन्ना आपूर्तिकर्ताओं से अनुरोध है कि वह अपनी पर्चियों पर आपूर्ति हेतु अवशेष गन्ना 07 मार्च 2025 तक मिल को आपूर्ति कर दें। यदि इसके पश्चात् किसी भी गन्ना कृषक का गन्ना अवशेष रह जाता है तो यह चीनी मिल किसी भी रूप में उत्तरदायी नही होगी और 08 मार्च 2025 को मिल का पेराई सत्र-2024-25 अन्तिम रूप से बन्द कर दिया जायेगा।

जमुनहा तहसील में रक्तदान शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती तहसील जमुनहा में अधिवक्ता व कर्मचारियों ने किया रक्तदान तहसीलदार जमुनहा व पवन कुमार द्वारा रक्तदान कर पुण्य का काम किया है ऐसे अधिवक्ता में रक्तदान कर लोगों के प्राण बचाने के लिए सर्वोच्च काम किए हैं और चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अधिवक्ताओं द्वारा व कर्मचारियों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जमुनहा तहसीलदार व पवन कुमार ने सर्व प्रथम अपना रक्तदान किया

होली से पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया विशेष अभियान, 09 नमूने लेकर जाँच हेतु भेजे लैब

क्यूँ न लिखूँ सच

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य) सी0एल0 यादव त्योहार के दृष्टिगत आम जनमानस को खाद्य पदार्थों की मिलावटी खाद्य प्रभावी रोकथाम अभियान के क्रम में तहसील दातागंज दौरान विभिन्न पदार्थों के नमूने गए। आमजन को भी किया गया।

के नेतृत्व में आगामी होली पर्व आगामी अन्य पर्वों के दृष्टिगत सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त उपलब्धता हेतु जनपद में एवं पेय पदार्थों की बिक्री पर हेतु चलाये जाने वाले विशेष गुरुवार को तहसील बिल्सी एवं क्षेत्रों से विशेष अभियान के खाद्य परिसरों से कुल 09 खाद्य वास्ते जाँच हेतु संग्रहित किए खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक कार्यवाही किये गये प्रतिष्ठानों इस्लामनगर स्थित इमरान मछली बाजार फारूकी किराना स्टोर से बेसन का नमूना, मछली बाजार इस्लामनगर स्थित खालिद के प्रतिष्ठान से कचरी का नमूना,मछली बाजार इस्लामनगर स्थित साजिद खान के प्रतिष्ठान से नमक का नमूना,मोहल्ला कुरैसियान इस्लामनगर से वाहन से मनपसंद नमकीन का नमूना, बहजोई रोड काजी टोला इस्लामनगर स्थित नेत्रपाल के प्रतिष्ठान से मैंदा का नमूना, बड़ा बाजार सब्जी मण्डी इस्लामनगर स्थित मनोज कुमा के प्रतिष्ठान से महिंद्रा नमकीन का नमूना,उसहैत स्थित श्री महाकाल ट्रेडिंग से सरसों तेल एवं बेसन का नमूना तथा शेष 118 ली0 सरसों तेल को सीज किया गया। जिसका अनुमानित मूल्य 17700 रूपया है। म्याऊ दातागंज स्थित श्री दुर्गा मिष्ठान भण्डार के प्रतिष्ठान से छेना मिठाई का नमूना संग्रहित किए गए। कुल 09 नमूनों को वास्ते जाँच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य पदार्थों को ढककर रखने, दुकानों में साफ-सफाई रखने, शुद्ध एवं गुणवत्ता पूर्वक खाद्य पदार्थों को बेंचने, बिना लाइसेंस के खाद्य कारोबार नही संचालित करने के कड़े निर्देश दिए गए। मौके पर उपस्थित आम जनमानस को अपमिश्रण से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया। टीम में सहायक आयुक्त (खाद्य) सी0एल0 यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, आर0पी0 सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण सत्येन्द्र सिंह तोमर, शहाबुद्दीन, आजाद कुमार, माता शंकर बिन्द, राजेन्द्र नाथ मिश्रा, एवं खुशीराम मौजूद रहे।

जिला प्रशासन की टीम द्वारा बालक एवं बालिका का रोका गया बाल विवाह

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन में सूरजपुर को बाल विवाह मुक्त करने के लिए जिले की संयुक्त टीम लगातार प्रयासरत है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी एक 18 वर्ष बालक का बालिका का विवाह होने जा रहा है। कार्यक्रम बनाई बनाई गई और मौके पाया गया के दोनो स्थान मण्डप लगे हुए है और थी बालक जहॉ 18 वर्ष बालिका 15 वर्ष की आयु । उन्हें कानूनी एंव साथ ही बाल विवाह के गया कम उम्र मे विवाह जानकारी दी गई दोनो की कार्यवाही की गई उजाड़ दिया गया जिला ने सूचना कर्ता को सजग जाने की जानकारी दी गया की भैयाथान मे रोंके चल रही है बारात भी आ अधिकरी श्री रमेश साहू

मनोज जायसवाल को सूचना प्राप्त हुई की विवाह प्रेम नगर विकासखंड एंव 15 वर्षीय भैयाथान विकासखंड के एक गॉव में सम्पन्न अधिकारी के निर्देश पर तत्काल दो टीम के लिए रवाना किया गया । जांच पर पर बाल बिवाह सम्पन्न करने की तैयारी है दोनो स्थान पर मेहमान भरे है। सूचना सही की आयु भी पूरा नहीं किया था वही की थी दोनों स्थान पर समझाइश दिया गया सामाजिक बिन्दुओं की जानकारी दी गई। होने वाले दुष्प्रभाव की भी जानकारी दिया करने मे आने वाली कठनाईयो के संबध मे स्थान मे समझाइश पर बाल विवाह रोकने पंचनामा,कथन लिया गया असैर मडंप को बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल रहने को कहॉ और बाल विवाह रोक दिये कल फिर सूचनाकर्ता द्वारा सूचित किया गये बाल विवाह को सम्पन्न करने की तैयारी रहा है सूचना प्राप्त होते ही जिला कार्यक्रम ने एसडीएम भैयाथाम को सूचना दी मौके पर भैयाथान तहसीलदार श्री संजय राठौर परियोजना अधिकारी इमरान अख्तर एंव अंजीत लकड़ा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुचे तब पता चला बारात आ गयी है और विवाह करा दिया जाएंगा बालिका पक्ष से बात करने पर पता चला कि लड़की पक्ष वाले बारात रोकने की बात कह रहे थे लड़के वाले बोले कि विवाह करेगें संबंधीत अधिकारी ने बालिका का विवाह हो जाने के अंदेषा से बालिका को पंचनामा बनाकर बालिका को बाल कल्याण समिति मे प्रस्तूत कर सखी वन स्टाप सेंटर मे आश्रय हेतु लाया गया उपरोक्त कार्यवाही मे जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल परियोजना अधिकारी मो इमरान अख्तर संरक्षण अधिकारी अखिलेश सिंह परामर्शदाता जैनेन्द्र दुबे माया राजवाड़े प्रभारी परियोजना अधिकारी अंजली महिलांगे, स्वेता सोनवानी, जयश्री केवर्थ पर्यवेक्षक, एएसआई महेन्द्र सिंह मरावी,प्यासी विनोद प्रताप सिंह,हेमंत सिंह, चंद्रकांत मुंजनी, पिताम्बर सिंह, राकेश सिंह, अंजीत लकड़ा पवन धीवर चाइल्डलाइन शीतल सिंह, रमेश साहू सरपंच श्री जगलाल सिंह उपस्थित थे।

18 वर्ष से कम आयु के बच्चों हेतु जिला जेल का किया गया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली द्वारा प्रकरण में पारित निर्णय के अनुक्रम में 18 वर्ष के बच्चों का त्रुटिपूर्ण निर्धारण करने उन्हें नियमित जेल में रखे जाने की संभावना होती है। न्यायालय के निर्देश एवं बालक अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली से प्राप्त निर्देश वर्ष से कम आयु का है तो उम्र सत्यापन किये जाने हेतु जेल निरीक्षण पैनल द्वारा तहसीलदार सूरजपुर एवं पैनल के के जेल अधीक्षक श्री अक्षय तिवारी द्वारा निरीक्षण पैनल को जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल द्वारा जेल में जेल में निरुद्ध बंदियों से जानकारी ली गयी। जेल के किसी गयी की उनकी आयु 18 वर्ष से कम है। जिससे कोई भी बंदी दो बंदियों द्वारा उनके घर पर उनके बच्चों का देखभाल करने दोनों बंदियों का नाम, पता लेकर संबंधित ग्राम में उन बच्चों एवं संरक्षण करने वाले नहीं होगें तो उन बच्चों को बाल कल्याण श्री समीर शर्मा तहसीलदार सूरजपुर, श्री प्रियांक पटेल शिशु सूरजपुर, श्री मनोज जायसवाल जिला बाल संरक्षण अधिकारी, कार्यकर्ता, श्री अखिलेश कुमार सिंह संरक्षण अधिकारी

के अनुक्रम में जिले में स्थित जेल में निरुद्ध बंदियों में यदि कोई 18 अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सूरजपुर की अध्यक्षता में गठित सदस्यों द्वारा जिला जेल का निरीक्षण किया गया। जिला जेल सूरजपुर साथ में लेकर जेल के सभी बंदियों से मुलाकात करवाया गया। के बंदियों से 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे जेल में है क्या इस संबंध भी बंदियों द्वारा अपनी आयु को लेकर कोई भी शंका व्यक्त नही कि 18 वर्ष के कम आयु का नही पाया गया। जेल में निरीक्षण के दौरान वाले नहीं है ऐसी जानकारी पैनल के समक्ष आयी। पैनल द्वार उन के संबंध में जानकारी इकट्ठा की जावेगी। यदि बच्चों का देखभाल समिति में प्रस्तुत करने की कार्यवाही की जावेगीं। निरीक्षण के दौरान रोग विशेषज्ञ, श्री मनोज चतुर्वेदी जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री संजय भारत अधिवक्ता सूरजपुर, श्री राजेन्द्र गुप्ता सामाजिक (संस्थागत) उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

सदर विधायक ने जागरूकता शिविर व टूल किटस वितरण कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

गुरुवार को एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम व नि:शुल्क इलै0 चॉक टूलकिटस्, पगमिल टूलकिटस् व ग्राम प्रधान सम्मान समारोह में मा0 सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता द्वारा विकास खण्ड परिसर सलारपुर बदायूँ में वितरण कराया गया।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रदीप कुमार ने माटीकला द्वारा संचालित योजनाओ पर विस्तृरित से प्रकाश डाला। माटीकला जागरूकता शिविर व टूलकिटस् वितरण कार्यक्रम में मा0 ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अनेक पाल, खण्ड विकास अधिकारी, जिला अग्रणी बैंक अधिकारी, प्राचार्य राजकीय पॉलिटैक्निक, प्राचार्य राजकीय आई0टी0आई0 जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रदीप कुमार मौजूद रहे।

ई लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से हुआ मदिरा की दुकानों का व्यवस्थापन

क्यूँ न लिखूँ सच

डायट परिसर स्थित ऑडिटोरियम में गुरुवार को पारदर्शी तरीके से वर्ष 2025-26 के लिए ई-लॉटरी के माध्यम से मदिरा की दुकानों का व्यवस्थापन का कार्य राज्य सरकार द्वारा नामित पर्यवेक्षक व सचिव बेसिक शिक्षा डॉ0 सारिका मोहन की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कुल 8282 आवेदनों में से 336 दुकानों का व्यवस्थापन का कार्य आवेदकों के समक्ष किया गया। उपस्थित आवेदक पूरी प्रक्रिया से संतुष्ट नजर आए। इस अवसर पर डीएम निधि श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।जिलाधिकारी/लाइसेंस प्राधिकारी निधि श्रीवास्तव ने बताया कि आबकारी नीति व शासनादेश के क्रम में ई-लॉटरी के लिए 8284 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें दो अनर्ह पाए गए। कुल 8282 आवेदनों में से 336 मदिरा की दुकानों का व्यवस्थापन का कार्य गुरुवार को पूरी पारदर्शित प्रक्रिया के साथ किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया है जिसमें देसी मदिरा की 256, मॉडल शॉप 02, भांग की दुकान 03 व कंपोजिट शॉप के लिए 75 सहित कुल 336 मदिरा की दुकानों के लिए व्यवस्थापन का कार्य संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि मदिरा दुकानों के अंतिम आवंटन को आवेदकों के समक्ष पढ़कर सुनाया गया तथा साथ ही उसे चस्पा भी किया गया।जिला आबकारी अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि देसी शराब की दुकानों के लिए 6212, मॉडल शॉप के लिए 33, कंपोजिट शॉप के लिए 2032 और भांग की दुकानों के लिए 05 आवेदनों में से सिमुलेशन व तत्पश्चात रेंडमाइजेशन के माध्यम से ई-लॉटरी के माध्यम से व्यवस्थापन का कार्य संपन्न किया गया। उन्होंने बताया कि आवेदनों के आवंटन की प्रायिकता लगभग बराबर रही। उन्होंने कहा कि सफल आवेदकों को अपनी लाइसेंस फीस निर्धारित समय अवधि में जमा करनी होगी। उन्होंने बताया कि आईआईटी कानपुर द्वारा अप्रूव्ड एल्गोरिथम का उपयोग किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा, आबकारी विभाग के मंडलीय अधिकारी, आबकारी निरीक्षक व अन्य अधिकारी व आवेदक मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

These 6 plants are oxygen banks, will make the house beautiful along with giving fresh air

To live a healthy life, medicinal plants must be planted in your homes. These plants not only enhance the beauty of your house but also benefit health and clean the surrounding environment.

In such a situation, today in this article we will tell you about some such plants which can be easily planted in homes. To stay healthy, the environment around us should also be better. In such a situation, planting some plants at home can help you a lot. These plants will not only make the house beautiful but also keep the health good. Medicinal plants not only enhance the beauty of the house, but also provide many health benefits. Along with filling freshness in the environment around us, they also purify the environment and are helpful in the treatment of many types of diseases. Keeping these medicinal plants at home not only cleans the environment around you, but it also helps in keeping the body healthy and energetic. These plants bring positivity and peace in the house along with doing natural treatment. The special thing about these plants is that it is very easy to plant them at home. Let us know about some such medicinal plants, which must be kept at home- Tulsi Tulsi is considered as Sarva Rog Nivarini in Ayurveda, because it is helpful in increasing cold-cough, fever and immunity. Not only this, the Tulsi plant purifies the environment around it and brings positive energy to the house. The decoction of its leaves is very beneficial for health. Aloe Vera- Aloe vera is also very famous for its medicinal properties. It is very beneficial for skin, health and hair. It improves digestion and helps in healing wounds quickly. The special thing is that this plant grows even with less care and cleans the air. Neem Neem leaves and bark are used to remove skin problems, diabetes and digestion related problems. It is full of antibacterial and anti-fungal properties. Neem plant eliminates bacteria and toxins present in the air of the house. Mint- Mint is a refreshing plant. It improves digestion, relieves headache and reduces stress. Mint leaves can be used to make tea, chutney, salad and decoction. It also maintains coolness and freshness in the house. Ashwagandha- Ashwagandha gives energy to the body, reduces stress and anxiety. It also strengthens the immune system and gives mental peace. Planting it at home is very beneficial for health. Giloy- Giloy, the Sanjeevani of Ayurveda, is also called Amrita. It helps in increasing immunity, reducing fever and body detox. Its vine can be easily grown at home. Snake Plant- This plant releases oxygen at night and purifies the air of the house. The dust present in the air sticks to its wax-like leaves. It is very beneficial for better sleep and stress-free life.

Eating coconut cream will benefit you from head to toe, it is beneficial for heart and bone health

Drinking coconut water is beneficial for health but eating its cream can be equally beneficial (Coconut Cream Benefits). Eating coconut cream is very beneficial for health. It is also very beneficial for the skin. In this article, we are going to tell about the benefits of eating coconut cream.

Eating coconut cream can be beneficial for health.Eating it also benefits the skin a lot. Coconut cream is also beneficial for bones. Coconut cream is not only best in taste, but it is also full of nutrition (Coconut Cream Benefits). It contains a good amount of healthy fats, vitamins, minerals and antioxidants, which provide many benefits to the body. Whether you eat it straight or mix it in smoothies, desserts or curries, it is very beneficial for your health (Nariyal Ki Malai Ke Fayde). Let us know about some of the major benefits of eating coconut cream. Benefits of eating coconut cream Increase energy level and metabolism- The medium-chain triglycerides present in coconut cream convert into energy rapidly, which gives instant energy to the body. It increases metabolism, which helps in weight loss. Beneficial for heart health- Lauric acid is found in coconut cream, which increases good cholesterol and controls bad cholesterol. This keeps our heart healthy and blood pressure balanced. Strengthens the digestive system- Coconut cream contains a good amount of healthy fats and fiber, which improve digestion. It helps in relieving constipation and reducing stomach inflammation. Also, it promotes good bacteria in the intestines. Beneficial for skin and hair- It contains antioxidants, vitamin-E and healthy fats, which moisturize the skin and reduce wrinkles. Coconut cream also helps in making hair strong and thick. Strengthens bones and teeth- Coconut cream contains many nutrients like vitamin C, vitamin E, phosphorus and magnesium, which strengthen bones and teeth. This prevents the risk of osteoporosis. Helpful in increasing immunity- Coconut cream contains antiviral, antibacterial and antifungal properties, which increase the body's ability to fight diseases. It helps prevent colds and fight infections. Improves stress and mental health- It contains healthy fats, which help in increasing memory. It reduces stress and gives mental peace. Coconut cream is no less than a superfood, which benefits the body from giving instant energy to the heart, bones, skin and digestive system. So definitely include it in your diet and reap its tremendous benefits.

Situationship is the new relationship trend of Gen-Z, there is no chance of commitment-tension; why is it becoming so popular?

Situationship A relationship trend is becoming very popular among the young generation and that is situationship. In which there is no pressure of anything to be done in the relationship, especially commitment. In some cases it is right and in some cases it is bad, so let's know about situationship in detail. In today's time, the definition of love and relationships is changing. Earlier people believed in commitment, which lasted for a lifetime. Now the era of Gen Z has come. The thinking of today's youth has also changed. Today people shy away from getting committed. These days the trend of situationship is becoming very popular among the youth. It is neither a complete friendship nor a serious relationship. Situationship is made up of two words 'situation' and 'relationship'. Which completely depends on the situation. First of all, let's know what is situationship and what are its advantages and disadvantages. Along with this, we will also tell why it is becoming increasingly popular among Gen Z. What is Situationship? Situationship is a relationship status where two people are close to each other. During this time, there can also be an emotional and physical connection between them. But you cannot name it a relationship. Because it does not completely come under the category of relationship. There is no fear of commitment in this. Two people just connect to spend time with each other and enjoy life. In such a situation, there is no lack of romance in life. To a large extent, they also work to keep you fresh. Why is Situationship becoming so popular? Today, from men to women, everyone is using dating apps. People are preferring to stay single. If things are not working out after marriage, then instead of tolerating each other, people are not hesitating to separate. It means that everything is very clear cut. In such new trends, situationship has also become popular. Apart from this, this relationship is a situation between love and loneliness, where people are getting together without any pressure. Signs

of situationship If your partner gives you a lot of attention when you are alone, but leaves you alone in social gatherings, then this also points towards situationship. If your partner avoids introducing you to his friends and relatives. Avoids coming and staying with you in public places, then it means you are in situationship. Although your partner is very close, but is avoiding too much emotional attachment and any kind of commitment, then you should understand that you are in situationship. People in situationship do not give a name to their relationship. They like to be completely free. If your partner is also doing this, then it means you are in the same condition. Advantages of situationship There is no social pressure in this relationship. People's freedom remains intact. Problems related to breakup or commitment can be avoided. What are the disadvantages of situationship Emotional confusion can increase. Sometimes you can also become a victim of stress. Is situationship right? It completely depends on the thinking and priorities of that person. If both the partners are doing it with mutual consent and no one is facing any problem, then it can be a good option. Just keep in mind that you do not get emotionally attached.

Chhaava was auspicious for Tuesday! The math of earnings suddenly changed on weekdays

Chhaava Box Office Day 19 Vicky Kaushal's film Chhaava is maintaining its strong hold on the box office these days. Even on weekdays, this movie is not seen giving up in any way in terms of earnings. On the 19th day of change in the collection of Chhaava. office on the 19th day Change in many crores has the movie earned so complete its third week of release. But Vicky Kaushal's Chhaava is not this movie is not seen lagging behind once again there has been a huge which has surprised everyone. Let us earned on the third Tuesday. Chhava weekend, director Laxman Utekar's digits to single digits at the box office. again picked up the pace and has the report of Saccanilk, on the third Chhava has done a business of than Monday. Looking at this that the craze of this movie has not in the coming days, this film will be income of the 19th day is added, then domestic box office has become Chhava has become the highest acting career, but also in the movies

release, once again there has been a Chhaava showed its strength at the box earnings on the third Tuesday - How far Drama period film Chhaava will soon in terms of earning a lot at the box office, ready to accept defeat. In the weekdays, in any way. On the 19th day of release, jump in the collection of Chhaava, know how many crores Chhaava has earned so many crores - After the third film Chhava has gone from dubbed But on the 19th day, Chhava has once shown surprising earnings. According to Tuesday of its release, Vicky Kaushal's around 6 crores, which is slightly less performance of Chhava, it can be said yet gone away from the cine lovers and seen doing wonders in earning. If the now the net collection of Chhava at the around 486 crores. With this, now grossing film not only in Vicky Kaushal's of the drama period league. Overall, on the basis of historical movies, Chhava has created a new record. - These historical story based movies made bumper earnings Even before Chhava, movies based on historical stories have dominated the box office. They have given an amazing performance in terms of earnings. Their list is as follows- Chhava- 486 crores* Padmaavat- 302 crores Tanhaji- 280 crores Bajirao Mastani- 184 crores In this way, Chhava has left all these movies far behind with its bumper earnings. The audience has given immense love to this movie which is based on the story of the courage of Maratha hero Chhatrapati Sambhaji Maharaj.

'My son and husband were badly beaten up...' Ayesha Takia's family in controversy, police filed a case against husband?

Actress Ayesha Takia, who ruled the hearts of fans with Salman Khan's comeback film Wanted, is keeping a distance from the acting world. But she often remains in the news for her personal life. Currently, Ayesha husband Farhan Azmi and has stuck in legal trouble Wanted story of her husband and son At of the cinema world, used to she has taken a break from the personal life. But at this time her husband Farhan Azmi. It is case against the actress's husband creating ruckus. Ayesha has given Ayesha reacted - Ayesha Takia has handle regarding this matter. In told the truth of the whole matter. night was very frightening for our Goa goons attacked and tortured husband had called for his my husband dialed 100 to the registered against him. We have authorities when the time comes. and we have full faith in the Indian to Hindustan reports, a case has

has given her reaction to the legal action against her clarified the whole matter. Ayesha Takia's husband actress reacted on social media Ayesha narrated the one time, Ayesha Takia, one of the famous actresses remain in the news for her films. A long time ago, acting world and now remains in the news for her Ayesha's name has come in the headlines regarding reported that late night Goa Police has registered a (Ayesha Takia Husband) for reckless driving and her reaction on social media regarding this matter. shared an Insta story on her official Instagram which she has put forward her husband's side and The Wanted film actress has said in her claim - Last family. My husband and son were badly threatened. them. They also scuffled with the police, whom my protection. To escape from the crowd of 150 people, police. But it was surprising when a case has been CCTV footage, which will be presented to the We are cooperating with the investigating agencies law and order. What is the whole matter - According been registered against Ayesha Takia's Farhan Azmi for allegedly driving at high speed and recklessly in Candolim area of ??East Goa late night. It is alleged that he and two other people clashed with the local residents and created a ruckus. After which the police had to take action against them. Later, actress Ayesha Takia has written a long note in support of her husband and denied these allegations. Let us tell you that Ayesha married Farhan Azmi in the year 2009 and left the film world and they also have a son.

Sholay will be celebrated on completion of 50 years, special screening will be done in this big film awards show

Sholay Director Ramesh Sippy's film Sholay is considered one of the most successful movies in the history of Hindi cinema. In 2025, this film starring Dharmendra and Amitabh Bachchan will complete 50 years of its release. Now a Under which a special screening of Sholay complete 50 years of release in 2025 Special cult classic movies of Hindi cinema, then director Ramesh Sippy's Sholay will is going to be organized for this. In the 25th (IIFA), a special screening of Amitabh done. IIFA organizers have decided to hold cinema on completion of 50 years of the on March 9 at 11 am, the actors, co-actors, Bollywood's big celebrities will be present both Sholay and Raj Mandir Cinema are on 15 August 1975, while the foundation Minister Late Mohanlal Sukhadia and was Haridev Joshi. Let us tell you that IIFA is Silver in the New Gold. IIFA Digital and Convention Center. The grand finale works and artists of Indian cinema will be

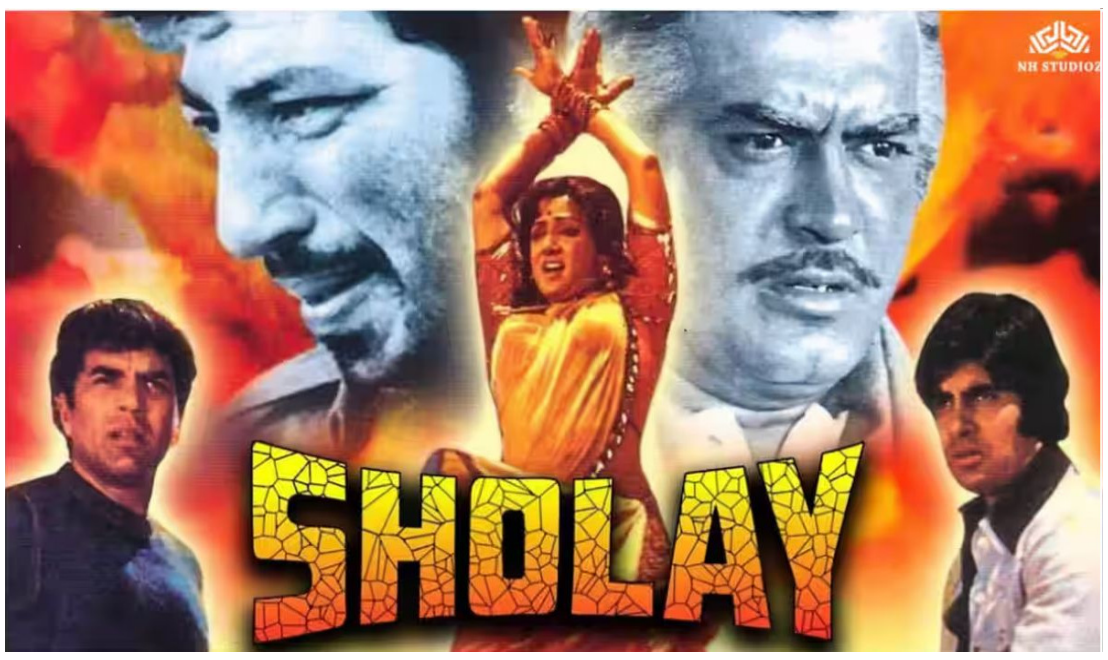

big film awards has started special preparations for this. will be done. Sholay film will have a special screening Will honor will be given in this awards show If we talk about the name of Sholay is definitely included in it. This year complete 50 wonderful special years of its release. An event anniversary event of International Indian Film Academy Bachchan and Dharmendra's famous film Sholay will be a special screening of the film at Jaipur's famous Raj Mandir film. Special preparations for Sholay - During the screening singers associated with the film will share their experiences. in the screening. The special thing about this event is that celebrating Golden Jubilee this year. Sholay was released of Raj Mandir Cinema was laid in 1966 by the then Chief inaugurated on June 1, 1976 by the then Chief Minister Late celebrating its 25th anniversary in Jaipur under the theme Awards will be organized on March 8 at Jaipur Exhibition of IIFA Awards will be held on March 9, in which the best honored. Apart from Dharmendra and Amitabh Bachchan, actors like actress Hema Malini, Sanjeev Kumar, Jaya Bachchan and Amjad Khan were seen in important roles in Sholay. 50 years of Sholay The brilliant story and characters of Sholay came out from the pen of film writers Salim Khan and Javed Akhtar. In which the character of Gabbar Singh became very popular, which is still mentioned today. This movie is considered to be the most successful film in the history of Hindi cinema. Because the way Sholay rocked the box office, no other Hindi film could do that during that time. This is the reason why the completion of 50 years of Sholay will be celebrated with great pomp. Let us tell you that after movies like Jai Maa Santoshi, Sholay was the second highest grossing film in 1975.